



Ram

04 Jun 1987

05:30 AM

Paonta Sahib

Model: web-freekundliweb

Order No: 121603303

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 04/06/1987
दिन _____: गुरुवार
जन्म समय _____: 05:30:00 घंटे
इष्ट _____: 00:30:55 घटी
स्थान _____: Paonta Sahib
राज्य _____: Himachal Pradesh
देश _____: India

अक्षांश _____: 30:27:00 उत्तर
रेखांश _____: 77:37:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:19:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 05:10:28 घंटे
वेलान्तर _____: 00:01:51 घंटे
साम्पातिक काल _____: 21:58:05 घंटे
सूर्योदय _____: 05:17:37 घंटे
सूर्यास्त _____: 19:18:03 घंटे
दिनमान _____: 14:00:26 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल) _____: उत्तर
ऋतु _____: ग्रीष्म
सूर्य के अंश _____: 19:11:34 वृष
लग्न के अंश _____: 21:17:02 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: वृष - शुक्र
राशि-स्वामी _____: सिंह - सूर्य
नक्षत्र-चरण _____: मघा - 4
नक्षत्र स्वामी _____: केतु
योग _____: हर्षण
करण _____: वणिज
गण _____: राक्षस
योनि _____: मूषक
नाड़ी _____: अन्त्य
वर्ण _____: क्षत्रिय
वश्य _____: वनचर
वर्ग _____: मूषक
युँजा _____: मध्य
हंसक _____: अग्नि
जन्म नामाक्षर _____: मे-मेहर
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: मिथुन

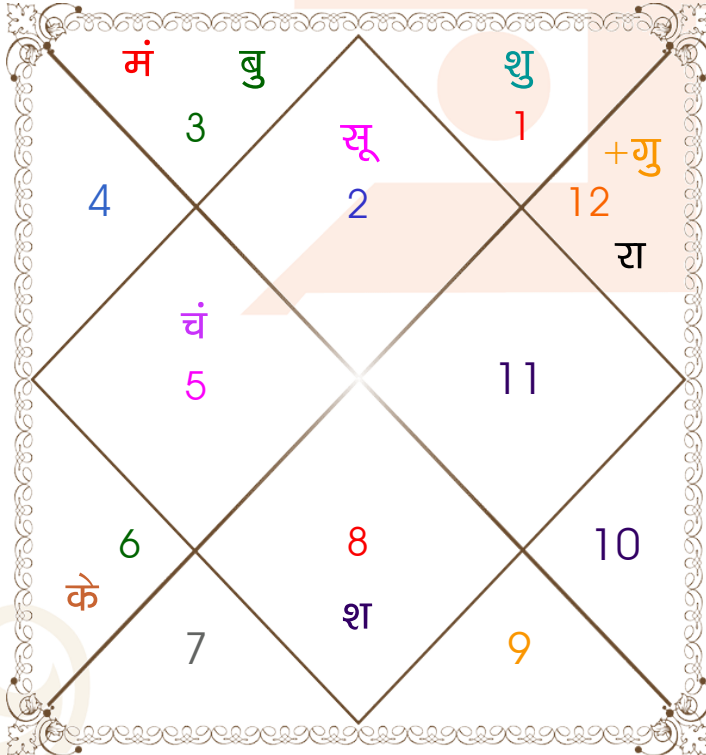
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न		वृष	21:17:02	361:41:32	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	---
सूर्य		वृष	19:11:34	00:57:28	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
चंद्र		सिंह	10:22:15	12:05:16	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	मित्र राशि
मंगल		मिथु	15:19:15	00:38:47	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
बुध		मिथु	12:35:11	01:10:00	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	बुध	स्वराशि
गुरु		मीन	27:41:42	00:11:31	रेवती	4	27	गुरु	बुध	गुरु	स्वराशि
शुक्र		मेष	27:32:55	01:12:52	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	चंद्र	सम राशि
शनि	व	वृश्चि	24:34:32	00:04:25	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	शत्रु राशि
राहु	व	मीन	15:29:51	00:01:16	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	सम राशि
केतु	व	कन्या	15:29:51	00:01:16	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष	व	धनु	01:33:23	00:02:23	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
नेप	व	धनु	13:35:17	00:01:26	पूर्वाषाढा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	---
प्लूटो	व	तुला	13:58:48	00:01:18	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	---
दशम भाव		कुंभ	03:38:15	--	धनिष्ठा	--	23	शनि	मंगल	शुक्र	--

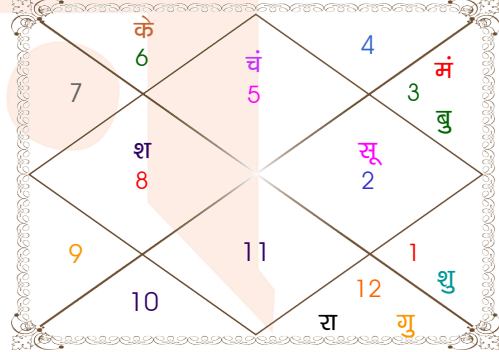
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:40:50

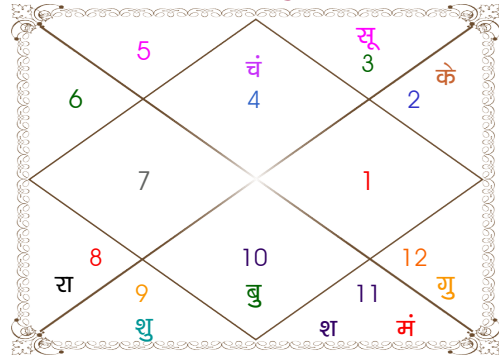
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 1 वर्ष 6 मास 20 दिन

केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष
04/06/1987	23/12/1988	23/12/2008	23/12/2014	23/12/2024
23/12/1988	23/12/2008	23/12/2014	23/12/2024	24/12/2031
00/00/0000	शुक्र 23/04/1992	सूर्य 11/04/2009	चंद्र 24/10/2015	मंगल 21/05/2025
00/00/0000	सूर्य 24/04/1993	चंद्र 11/10/2009	मंगल 24/05/2016	राहु 08/06/2026
00/00/0000	चंद्र 23/12/1994	मंगल 16/02/2010	राहु 23/11/2017	गुरु 15/05/2027
00/00/0000	मंगल 22/02/1996	राहु 11/01/2011	गुरु 25/03/2019	शनि 23/06/2028
00/00/0000	राहु 22/02/1999	गुरु 30/10/2011	शनि 23/10/2020	बुध 20/06/2029
00/00/0000	गुरु 23/10/2001	शनि 11/10/2012	बुध 24/03/2022	केतु 17/11/2029
04/06/1987	शनि 23/12/2004	बुध 17/08/2013	केतु 23/10/2022	शुक्र 17/01/2031
शनि 27/12/1987	बुध 24/10/2007	केतु 23/12/2013	शुक्र 23/06/2024	सूर्य 25/05/2031
बुध 23/12/1988	केतु 23/12/2008	शुक्र 23/12/2014	सूर्य 23/12/2024	चंद्र 24/12/2031

राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष
24/12/2031	23/12/2049	23/12/2065	23/12/2084	24/12/2101
23/12/2049	23/12/2065	23/12/2084	24/12/2101	00/00/0000
राहु 05/09/2034	गुरु 10/02/2052	शनि 26/12/2068	बुध 21/05/2087	केतु 22/05/2102
गुरु 28/01/2037	शनि 24/08/2054	बुध 05/09/2071	केतु 18/05/2088	शुक्र 22/07/2103
शनि 05/12/2039	बुध 28/11/2056	केतु 14/10/2072	शुक्र 19/03/2091	सूर्य 27/11/2103
बुध 24/06/2042	केतु 04/11/2057	शुक्र 14/12/2075	सूर्य 23/01/2092	चंद्र 27/06/2104
केतु 12/07/2043	शुक्र 05/07/2060	सूर्य 25/11/2076	चंद्र 23/06/2093	मंगल 23/11/2104
शुक्र 12/07/2046	सूर्य 24/04/2061	चंद्र 27/06/2078	मंगल 21/06/2094	राहु 12/12/2105
सूर्य 06/06/2047	चंद्र 24/08/2062	मंगल 06/08/2079	राहु 07/01/2097	गुरु 18/11/2106
चंद्र 05/12/2048	मंगल 30/07/2063	राहु 12/06/2082	गुरु 15/04/2099	शनि 05/06/2107
मंगल 23/12/2049	राहु 23/12/2065	गुरु 23/12/2084	शनि 24/12/2101	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 1 वर्ष 6 मा 16 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रोहिणी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृष लग्न के उदित काल, कर्क नवमांश एवं मकर द्रेष्काण में हुआ था। आप आश्चर्यजनक उत्साह, आत्मिक शक्ति से युक्त हैं। आप अपने उद्देश्य की प्राप्ति में शिला के समान स्थिर रह कर, सांसारिक सुख एवं भोग विलास युक्त जीवन प्राप्त करेंगे।

आप सदैव उद्देश्य की तलाश में अपने लक्ष्य की ओर निश्चित रूप से बढ़ते रहेंगे। आप अपना महत्वपूर्ण कीर्ति स्तंभ निःसंदेह रूप से स्थापित करेंगे, क्योंकि आप अपनी योजना के द्वारा ही अपनी कार्य व्यवस्था को उपयुक्त कर लेंगे। आप कभी भी छलांग नहीं लगाते। आप समय की प्रतिक्षा करते हैं। समय आने पर पूर्वनिर्धारित योजना के अनुरूप कार्य करते हैं। जब आप अपना लक्ष्य निर्धारित कर कार्यारंभ करते हैं तो निश्चित रूप से सभी विषयों की ओर से विमुख होकर, अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु प्रयत्नशील रहते हैं। आप अपने अपरिवर्तित लक्ष्य के प्रति आश्वस्त होकर सफलता पूर्वक प्राप्त कर लेते हैं। क्योंकि आप दिवा स्वप्न द्रष्टा नहीं हैं। बल्कि कठिन श्रम करके उत्साहपूर्वक उपलब्धि प्राप्त करते हैं। परिणाम स्वरूप आप यथेष्ट रूप से भौतिकी लाभ बिना किसी भी प्रकार की हानि अथवा बिना अपव्यय किए ही प्राप्त कर लेंगे। आप अपनी धन लोलुप्ता के प्रभाव से तथा कंजूसी से अपने धन संपत्ति में वृद्धि प्राप्त करेंगे।

आप प्रेम संबंधित क्षेत्र में सांसारिक सुख भोग एवं विलासिता संबंधी आनंद प्राप्ति हेतु धन व्यय करेंगे। आप यदि समय-समय पर आलस्य करना त्याग दें तो सहजता पूर्वक आनंदमय जीवन की स्थापना कर सकते हैं। अर्थात् अपना जीवन आनंदमय बना सकते हैं।

आप में इस बात का अभाव है कि आप अपनी धन प्राप्ति संबंधित महत्वाकांक्षा को पूरा करने में असफल हो जाते हैं।

आप शारीरिक रूप से सामान्य कद के गोल-मटोल, मांसल अंगों से युक्त, देहधारी प्राणी हैं। प्रमुख रूप से आपका मस्तक बड़ा एवं आंखें आकर्षक हैं।

आप अपने व्यवसाय के प्रति अभिरुचि युक्त, निष्ठावान होकर धनोपार्जन हेतु शक्ति संपन्नता से व्यस्त, बिना किसी भी व्यवधान के तथा बिना भ्रमित हुए, निर्विवाद होकर सफलता प्राप्ति हेतु व्यस्त रहेंगे।

परंतु यदि आपका कोई शत्रु गलत तरीके से आपके कार्य में बाधा उत्पन्न करता है, तो आप पीछे उलटकर उस पर सांड की तरह क्रोधित होकर कठिन प्रहार करेंगे।

आप शांतिपूर्वक अपने पारिवारिक स्नेहिल जीवन को आरामदायक एवं प्रिय बनाकर रहेंगे।

आप अपने परिवार को अच्छे प्रकार स्थापित करने के मार्ग पर अग्रसर होकर अपने परिवार एवं अपने दांपत्य जीवन के वातावरण को सुखद बनाने के लिए सभी व्यवस्था करेंगे।

आपका स्वभाव वृषभ राशीय है। आपका स्वास्थ्य उत्तम एवं शरीर हृष्ट-पुष्ट है। परंतु आप स्वभाव से अति संवेदनशील, तथा किसी भी प्रकार के दर्द के प्रति कठिनाई अनुभव करने वाले हैं। यदि आप शारीरिक रूप से किसी भी प्रकार की असमर्थता अनुभव किया तो किसी तरह अंगहीन हो सकते हैं। संप्रति आपकी क्षमता ऐसी है कि आप सामान्य और सीमित रोगों का सामना कर सकते हैं। परंतु आप में शीघ्रता पूर्वक स्वास्थ्य लाभ करने की शक्ति नहीं है। फलस्वरूप आपको पूर्णरूपेण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने में विलंब हो सकता है। आप किसी भी प्रकार से सुरक्षित कार्य संपादन में विश्वास रखने वाली प्राणी हैं तथा ऐसा ही करती हैं। सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरुवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए अनुकूल रंग गुलाबी सफेद एवं हरा रंग उत्तमता का प्रतीक है। आपके लिए लाल रंग अच्छा नहीं है। अतः आप लाल रंग को अपघात सूचक समझें।

